of Newspapers for India (RNI)] can import 1 MT of standard newsprint against purchase of every 2 MT of indigenously produced newsprint. The newsprint can be purchased by them from any of the mills listed in Schedule I to the Newsprint Control Order, 1962. Newspaper units with annual entitlement of less than 200 MT can import standard newsprint on the basis of Annual Entitlement Certificate issued by the NRI.

(c) The quantity of newsprint imported during the three years has been as under:-

Period	Quantity lakh (tonnes)
1992-93	2 43
1993-94	3 11
1994-95	1 75
(April '94 to Nov.' 94)	

(d) There is no customs duty on import of newsprint.

उद्योगों में रोजगार

1562. श्री आस मोहम्मद : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लघु तथा कुटीर औद्योगिक क्षेत्र की तुलना में देश के औद्योगिक क्षेत्र में कितने व्यक्ति रोजगार में लगे हुए हैं ;

(ख) कुल औद्योगिक उत्पादन की तुलना में लघु और कुटीर उद्योगों में वार्षिक आधार पर हुए उत्पादन का प्रतिशत कितना है ;

(ग) कुल औद्योगिक निर्यात की तुलना में लघु और कुटीर उद्योगों से वार्षिक आधार पर कुल कितने उत्पादन का निर्यात किया जा रहा है ;

(घ) समूचे औद्योगिक क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की तुलना में बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा लघु और कुटीर उद्योगों को कितना ऋण प्रदान किया गया; और

(ङ) लघु और कुटीर उद्योगों की तुलना में बड़े उद्योगों को दिए गए ऋण पर किस दर से ब्याज लिया गया है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) मार्च, 1992 (उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों) की स्थिति के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र और लघु व कुटीर उद्योग क्षेत्र (वी.एस.आई.) में नियोजित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है : –

	रोजगार* (संख्या लाख में)
कुल औद्योगिक क्षेत्र	512.98
लघु तथा कुटीर उद्योग	448.71

*दोनों पूर्ण कालिक तथा अंशकालिक।

(ख) वर्ष 1993–94 के कुल उत्पादन में लघु तथा कुटीर उद्योगों (बी. एस.आई. क्षेत्र) का अंशदान 50.85 प्रतिशत था।

(ग) लघु तथा कुटीर उद्योगों (बी. एस.आई. क्षेत्र) ने 23,379 करोड़ रुपए मूल्य का सामान निर्यात किया जिसमें 1992–93 (वी.एस.आई. क्षेत्र के लिए नवीनतम उपलब्ध आंकड़े में निर्यात किये गये हीरे व जवाहरातों को शामिल नहीं किया गया है जो देश के निर्यातित सामान का 57.7 प्रतिशत है।

(घ) जून, 1993 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा लघु उद्योगों को स्वीकृत ऋण की बकाया राशि 20,064 करोड़ रुपए थी। यह अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा लघु, मझोले व बड़े उद्योगों को दिए गए कुल

ऋण का 25.5% बनता है । राज्य वित्तीय निगम मुख्य राज्य स्तरीय संस्थापन हैं जो लघु तथा कुटीर उद्योगों को सहायता मुहैया करते है । वर्ष 1993–94 के दौरान, इन निगमों द्वारा लघु तथा कुटीर क्षेत्र को 1525 करोड़ रु० मंजूर किये गये थे ।

(ङ) बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण पर प्रभारित की जाने वाली ब्याज की दरें भारतीय रिजर्व बैंक की दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रशासित की जाती हैं । कर्ज लेने वालों पर लागू ब्याज की दर ऋण की मात्रा के अनुसार अलग-अलग होती है । इस समय तीन स्लैब हैं। 2 लाख तक के ऋण पर ब्याज दर 2 लाख से अधिक कर्ज की राशि पर प्रभारित किये जाने वाले ब्याज दर से कम होती हैं । 18 अक्तूबर, 1994 से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित ब्याज की दरों के विवरण इस प्रकार हैं :—

	ब्याज दर (वार्षिक%) कार्यशील पूंजी के लिए सावधिक कर्ज पर	
1. 25,000 रु० तक	12.0	12.0
2. 25,000 रु० से अधिक और 2 लाख रु० तक	13.5	13.5
3. 2 लाख रु०से अधिक	प्राथमिक ऋण-दाताओं द्वारा निश्चित किया जाता है ।	

अनियत श्रमिकों को नियमित करना

1563. श्री आस मोहम्मद : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त न किए जाने के उसके निर्देश के बावजूद कुछ उपक्रमों ने स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त किया है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में इस प्रकार से नियुक्त किए गए व्यक्तियों की उपक्रम वार संख्या कितनी-कितनी है ; और

(ग) इस प्रकार की नियुक्तियों को किए जाने के क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अनियत कर्मचारियों की नियुक्तियाँ उनके अपने क्षेत्राधिकार के प्रबन्ध द्वारा की जाती हैं सरकार के पास ऐसी नियुक्तियों की कोई सूचना नहीं है ।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Industries in Punjab

1564. SHRI IQBAL SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what was the total number of small scale and medium scale industries in the country, particularly in the State of Punjab as on 31st December, 1994;

(b) what is the number of industries declared sick by Government of Punjab;

(c) what steps Government propose to revive these sick industries in the State of Punjab; and

(d) what is the total amount sanctioned as central loan assistance to the Government of Punjab?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) There is no unified source of collection of data for the number of industries in the small scale and medium scale sector. According to the Annual Survey of Industries 1990-91 (latest available information from the Central Statistical Organisation), the number of